B

CCE RR/PR/ NSR/NSPR Reduced Syllabus

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಲಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU – 560 003

ಜೂನ್ 2024 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ - 2

JUNE 2024 EXAMINATION - 2

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H** **Code No. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಎನ್.ಎಸ್.ಆರ್. / ಎನ್.ಎಸ್.ಪಿ.ಆರ್.)

(Regular Repeater / Private Repeater / NSR / NSPR)

ದಿನಾಂಕ : **14. 06. 2024]** [ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : **100**

Date : 14. 06. 2024] [**Max. Marks : 100**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6 × 1 = 6**
1.	'दोस्त' शब्द का विलोम रूप है – (A) दुश्मन (B) दोस्ताना (C) मित्र (D) अपना **उत्तर :** (A) दुश्मन	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	'पंडित' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है – (A) पीड़ित (B) पुजारी (C) पंडिताइन (D) पांडित्य **उत्तर :** (C) पंडिताइन	1
3.	निम्न में से बहुवचन शब्द पहचानिए – (A) किताब (B) साड़ियाँ (C) हड़ताल (D) बहस **उत्तर :** (B) साड़ियाँ	1
4.	'सीखना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – (A) सीख (B) सीमित (C) सिंचाई (D) सिखाना **उत्तर :** (D) सिखाना	1
5.	'अमृत' शब्द का पर्यायवाची है – (A) पीयूष (B) अमर (C) अनिल (D) अंबर **उत्तर :** (A) पीयूष	1
6.	'पौ फटना' मुहावरे का अर्थ है – (A) नींद आना (B) सुबह होना (C) भाग जाना (D) मदद करना **उत्तर :** (B) सुबह होना	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4 × 1 = 4**
7.	परमात्मा : दीर्घ संधि :: एकैक : ..... ।	
	उत्तर : वृद्धि संधि	1
8.	प्रतिदिन : अव्ययीभाव :: सुख-दुख : ..... ।	
	उत्तर : द्वन्द्व समास	1
9.	भारत मैच जीतेगा : भविष्यत् काल :: भारत ने मैच जीता : ..... ।	
	उत्तर : भूतकाल	1
10.	किसी विषय में तज्ञ : विशेषज्ञ :: जो अभिनय करती है : ..... ।	
	उत्तर : अभिनेत्री	1
III.	**एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7 × 1 = 7**
11.	मज़हब क्या नहीं सिखाता ?	
	उत्तर :	
	मज़हब आपसी बैर नहीं सिखाता ।	1
12.	विजयनगर साम्राज्य किसका प्रतीक रहा है ?	
	उत्तर :	
	विजयनगर साम्राज्य भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रतीक रहा है ।	1
13.	मीठे वचन से क्या हो सकता है ?	
	उत्तर :	
	मीठे वचन से क्रोध शांत हो सकता है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
14.	रुपये की झनझनाहट में क्या है ? **उत्तर :** रुपये की झनझनाहट में अलौकिक मधुरिमा है जो सरस्वती की वीणा में भी नहीं ।	1
15.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ? **उत्तर :** सिर पर सफ़ेद कपड़ा बांधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	1
16.	सरायवाले को सिपाही ने चवन्नी क्यों दी ? **उत्तर :** सरायवाले को सिपाही ने चवन्नी दी कि वह अपने बाल-बच्चों को जलेबी खिलाएँ, घोड़ा सबेरे के लिए जीन कसकर तैयार रहे, अपनी बड़प्पन दिखाने के लिए भी सिपाही ने चवन्नी थमाई ।	1
17.	नेपोलियन की बहन का नाम क्या था ? **उत्तर :** नेपोलियन की बहन का नाम इलाइज़ा था ।	1
IV.	**दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10 × 2 = 20**
18.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान किस तरह बना है ? **उत्तर :** कवि भारत देश के अनोखेपन का बखान करते हुए कहते हैं कि यहाँ के पहाड़, नदियाँ, हरियाली, आचार-विचार, संस्कृति आदि बहुत ही अनमोल हैं । चारों ओर फैली हुई गुलशन, यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य से स्वर्ग भी ईर्ष्याग्रस्त है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
19.	नदी के पुल से कौन से दृश्य नज़र आते हैं ? **उत्तर :** नदी के पुल से शहर के मकान, कीव स्टेशन, नदी के बीच तैरते-नहाते लोगों की भीड़, छोटी-छोटी नावों में मछली पकड़ते लोग, मोटर बोटों की दौड़ आदि दृश्य नज़र आते हैं ।	2
20.	रुपया ठाकुर जी से बड़ा है । कैसे ? **उत्तर :** रुपया ठाकुर जी से बड़ा है क्योंकि ठाकुर जी बोलते नहीं रुपया बोलता है । ठाकुर जी चल नहीं सकते, रुपया चलता है । रुपये में जो आकर्षण, तेज़ और शक्ति है वह देवताओं में नहीं । इसलिए रुपयों की ठाकुर जी से अधिक साख है । इसलिए रुपया सबसे बड़ा है ।	2
21.	कन्नड क्लब के बारे में लिखिए । **उत्तर :** कन्नड की सेवा के लिए वेंकटराव जी ने छात्रों को, युवकों को प्रोत्साहित किया और कॉलेज में एक कन्नड क्लब शुरू किया । उसके अधीक्षक भी बने । भाषा के प्रति अभिमान उत्पन्न करना क्लब का उद्देश्य था । क्लब के सदस्यों के प्रयत्नों से कॉलेज के पुस्तकालय में कन्नड की पुस्तकें लायी गयीं ।	2
22.	व्यवस्था में परिवर्तन कैसे किया जा सकता है ? **उत्तर :** भ्रष्टाचार मिटाने के लिए महाराज को व्यवस्था में बहुत परिवर्तन करने होंगे । एक तो भ्रष्टाचार के मौके मिटाने होंगे । जैसे ठेका है तो ठेकेदार है और ठेकेदार है तो अधिकारियों को घूस है । ठेका मिट जाए तो उसकी घूस मिट जाए । इसी तरह और बहुत-सी चीजें हैं । किन कारणों से आदमी घूस लेता है, यह भी विचारणीय है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
23.	बिहारी जी आडंबरपूर्ण भक्ति का खंडन कैसे करते हैं ? **उत्तर :** बिहारी जी आडंबरपूर्ण भक्ति का खंडन करते हुए कहते हैं कि किसी मंत्र विशेष की माला लेकर स्मरण करने तथा मस्तक एवं शरीर के अन्य अंगों पर तिलक छापे लगाने से तो कभी काम सिद्ध नहीं हो पाता । ऐसे भक्त का मन कच्चा तथा चंचल होता है । राम तो केवल अच्छे हृदय में निवास करते हैं, कच्चा मन तो काँच है जो कभी भी टूट सकता है ।	2
24.	जीवन के संघर्षमय पथ कैसे पार कर सकते हैं ? **उत्तर :** परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को अपने परिश्रम से पार कर सकता है । अपने साहस, कौशल और सच्ची लगन के सहारे ही परिश्रमी व्यक्ति जीवन के हर संघर्षमय पथ पार कर सकता है ।	2
25.	पुरुषार्थी सफलता के शिखर तक कैसे पहुँचता है ? **उत्तर :** पुरुषार्थी के लिए कुछ भी असंभव नहीं, वह मिट्टी से सोना बना डालता है । अपने परिश्रम के सहारे पुरुषार्थी सफलता के हर शिखर तक पहुँचता है ।	2
26.	नेपोलियन और उसकी बहन के स्वभाव में अंतर दर्शाइए । **उत्तर :** नेपोलियन सच बोलने से डरता नहीं था, दृढ़ विश्वासी था जबकि इलाइज़ा डरपोक और पलायनवादी थीं । नेपोलियन में दया की भावना नज़र आती है जो इलाइज़ा में नहीं थी ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
27.	'परिश्रम के बिना मानव जीवन निरर्थक है' – स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है । जीवन में सुख प्राप्त करना हर मनुष्य की आकांक्षा होती है ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	**2 × 3 = 6**
28.	श्री हरिशंकर परसाई । **उत्तर :** i) जन्म काल : जन्म सन् 1924 ई० को हुआ । एम० ए० होने के पश्चात् अध्यापन कार्य किया । फिर साहित्य सृजन में जुट गए । ii) कृतियाँ : भोलाराम का जीव, चावल से हीरों तक, कचरे में, एक बेकार घाव, सड़क बन रही है, पोस्टरी एकता, भाइयों और बहिनों, निठल्ले की डायरी, एक फरिश्ते की कथा । iii) अन्य जानकारियाँ : परसाई जी व्यंग्य लेखन के शिखर पुरुष हैं । आपके व्यंग्य केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं अपितु व्यक्ति और समाज की विसंगतियों की ओर भी ध्यानाकृष्ट करते हैं ।	3
29.	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' । **उत्तर :** i) जन्म काल : जन्म सन् 1897 ई० में ग्वालियर राज्य के भुजालपुर गाँव में हुआ । नवीन जी कवि, लेखक, वक्ता और देशभक्त भी थे ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	ii) कृतियाँ : प्राणार्पण, उर्मिला, रश्मि रेखा, कुंकुम, क्वासी आदि ।	3
	iii) अन्य जानकारियाँ : 'नवीन' आपका काव्य नाम है । स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान परिषद् के सदस्य बने । सन् 1960 ई० में आपका स्वर्गवास हुआ ।	
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	**3**
30.	बिनु पग चले सुने बिनु काना । कर बिनु कर्म करे विधि नाना ।।	
	उत्तर : ।।।।।ऽ।ऽ।। ऽऽ बिनु पग चले सुने बिनु काना । = 16 ।।।।ऽ।।ऽ।। ऽऽ कर बिनु कर्म करे विधि नाना ।। = 16	
	(i) इसमें चौपाई छन्द है ।	
	(ii) मात्रिक छन्द है ।	
	(iii) हर पंक्ति में 16-16 मात्राएँ हैं ।	
	(iv) चरणांत तुक मिलती है ।	
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**3**
31.	तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।	
	उत्तर :	
	(i) इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है ।	
	(ii) शब्दालंकार हैं ।	
	(iii) समान वर्णों की आवृत्ति है ।	
	(iv) यहाँ 'त' का अनुप्रास है । 'त' की पाँच बार आवृत्ति हुई है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	**4 × 3 = 12**
32.	''आप लोग असुर की कविता तो सुन ही चुके, अब ससुर की कविता सुनिए ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : आनंद के क्षण लेखक का नाम : कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' संदर्भ व व्याख्या : इस वाक्य को कवि सम्मेलन के समय आचार्य शुक्ल जी उनके मित्र के बारे में कहते हैं । शुक्ल जी के कविता वाचन करते समय, उनके मित्र उनकी वाचन शैली पर 'असुर' की कविता सुनिए कहकर मज़ाक उड़ाते थे । जब मित्र कविता वाचन के लिए खड़े हुए तब शुक्ल जी ज़ोर से बोले – 'अब ससुर की कविता सुनो' । यहाँ 'ससुर' का व्यंग्यात्मक कई अर्थ हैं; जैसे सुर सहित, पत्नी के पिता और एक गाली भी है । विशेषता : स्वस्थपूर्ण व्यंग्य आनंद के क्षणों की उत्पत्ति करती है । आनंद को क्षण और अन्न के कण को कभी नहीं छोड़ना चाहिए ।	3
33.	''मैंने डाँटकर कह दिया है, देखिए, जल्दी चुप हो जायेगा ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : अपना–पराया लेखक का नाम : जैनेन्द्र संदर्भ व व्याख्या : बच्चे के लगातार क्रन्दन, बेराग, बेस्वर आवाज़ के कारण सिपाही की नींद टूटी और उनके कानों को अप्रिय लगे और झल्लाकर भटियारे को बुलाकर बच्चे को चुप कराने का संदेश दिया । थोड़ी देर में भटियारे ने लौटकर बताया कि बच्चा बीमार व भूखा है, इसी संदर्भ में भटियारे ने सिपाही से उपर्युक्त वाक्य कहा । विशेषता : दुविधाग्रस्त भटियारे का मानवता के प्रति झुकाव का चित्रण ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
34.	''अनदेखे अरूप को उधार देते मैं डरता हूँ ; क्या जाने यह याचक कौन है ?'' **उत्तर :** कविता का नाम : सवेरे उठा तो धूप खिली थी कवि का नाम : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' संदर्भ व व्याख्या : जब कवि सुबह उठकर प्रकृति का मोहक दृश्य देखकर खुशी से सभी से उधार माँगता है, सभी उसे देते हैं । जब अनदेखे अरूप कवि से प्यार माँगता है तो कवि प्यार उधार देने से कतराता है । इस संदर्भ में पद्यांश का वर्णन हुआ है । विशेषता : मानव लेना जानता है, देना इसकी प्रवृत्ति नहीं है ।	3
35.	''तुम्हारी सत्यप्रियता अधिकांश दिल्ली में प्रसिद्ध है ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : सच्चा धर्म लेखक का नाम : सेठ गोविन्ददास संदर्भ व व्याख्या : अहिल्या अपने पति की सत्यनिष्ठा से प्राप्त हुई प्रतिष्ठा की याद दिलाते हुए उपर्युक्त वाक्य उनसे कहती है । दिल्ली की अधिकांश जनता आपकी चालीस साल की सत्यव्रत का आदर करते हैं । इसलिए अहिल्या पति पुरुषोत्तम उस पर बने रहने को कहती है । विशेषता : जीवन भर की तपस्या (सत्य) पर डटे रहने की सलाह ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IX.	**चार–पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	**3 × 3 = 9**
36.	'पिछड़ा आदमी' कविता का सारांश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए । **उत्तर :** कवि ने तत्कालीन समय की राजनीतिक व्यवस्था पर करारा चोट करते हुए कहा है कि इस देश की भ्रष्ट शासन प्रणाली में पिछड़ा आदमी हमेशा पीछे ही रह जाता है चाहे वो कोई कार्य हो या कहीं बोलने का काम हो, चलने का काम हो या फिर खाने का काम ही क्यों न हो और जान गँवाने में सबसे पहले वही पिछड़ा आदमी आगे आता है । यहाँ कवि दुनिया की दलदल में फँसे आम आदमी की हालत का वर्णन करते हैं ।	3
37.	अकबरी लोटा एक ऐतिहासिक लोटा कैसे बना ? **उत्तर :** सोलहवीं शताब्दी की बात है । बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हारकर भागा था और सिंध के रेगिस्तान में मारा–मारा फिर रहा था । एक अवसर पर प्यास से उसकी जान निकल रही थी । उस समय एक ब्राह्मण ने इसी लोटे से पानी पिलाकर उसकी जान बचाई थी । हुमायूँ के बाद जब अकबर दिल्लीश्वर हुआ तब उसने उस ब्राह्मण का पता लगाकर उससे इस लोटे को ले लिया और इसके बदले में उसे इसी प्रकार के दस सोने के लोटे प्रदान किये । यह लोटा सम्राट अकबर को बहुत प्यारा था । इसी से यह एक ऐतिहासिक लोटा बना ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
38.	गाँधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए । **उत्तर :** गाँधीजी पर माता-पिता के आचार-विचारों का गहरा प्रभाव पड़ा । वे बचपन से ही सत्य के पुजारी थे । उन्होंने अपनी माता से प्रतिज्ञा की थी कि वे मांस-मदिरा आदि व्यसनों से दूर रहेंगे । इस प्रतिज्ञा ने उनको बड़ा आत्मिक बल दिया । उन्होंने जीवन भर अहिंसा का पालन किया । सत्य के लिए लड़ना, सत्याग्रह करना, आत्मसम्मान की सीख, मानवता के लिए प्रामुख्यता, अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ उठाना, धार्मिक भावों की दृढ़ता, सादा जीवन यापन, हरिजनोद्धार आदि के साथ आजीवन जुड़े रहे ।	3
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1 × 4 = 4**
39.	पैदा कर जिस .... स्वजीवन सारा । **अथवा** जग में सुख .... को गले लगाना ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा ।	1
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	1
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	1
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	1
	अथवा	
	जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	
	वही जगाता है सद्‌गुण को, सद्‌गुण लाता सुख है ।	
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ–जहाँ सुन पाना ।	
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	
XI.	**पद्यांश का भावार्थ :**	**4**
40.	अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है । हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है ।	
	अथवा	
	भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न हैं, प्यास लगी तो तालाब–कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म–सखा तू ही है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम : डॉ० नंदिनी गुंडूराव भावार्थ : अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों का संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं - तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूर-पर्वत की ज्योति को पाने के समान है । विशेषता : ज्ञानियों के संग रहने के लाभ । **अथवा** भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि भगवान के सामने कोई गरीब नहीं है । यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगी तो कहीं भी पानी की कोई कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है । विशेषता : ईश्वर पर अनन्य भक्ति ।	4
XII.	**आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।**	**2 × 4 = 8**
41.	सेठ गोविन्ददास जी की राय में 'सच्चा धर्म' क्या है ? स्पष्ट कीजिए । **अथवा** अहिल्या का चरित्र-चित्रण कीजिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : 'सच्चा धर्म' पाठ में सेठ गोविन्ददास जी ने धर्म की समस्या को उठाया है । सामान्य रूप से हमलोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं, वह सेठ जी की दृष्टि से सही नहीं है । धर्म का खान-पान या छुआछूत से विशेष संबंध नहीं है । सेठ जी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज का भला हो । धर्म किन्हीं निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी-कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है - मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । लेखक की दृष्टि से सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो । सच्चा धर्म वही है जो आपसी प्रेम को बढ़ावा देता हो और किसी को हानि नहीं पहुँचाता हो । **अथवा** पुरुषोत्तम की पत्नी अहिल्या करीब 55 वर्ष की गेहुएँ रंग और स्थूल शरीर की स्त्री थी । वह एक धर्मभीरु ब्राह्मण नारी है । शास्त्रों के विरुद्ध अनायास कुछ विपरीत न हो जाये, इसका सदा उसे भय रहता है । वह नहीं चाहती थी कि पुरुषोत्तम सत्यव्रत को त्यागे । वह सत्य का त्याग करके विवाद में पड़ना नहीं चाहती । पति के अब्राह्मण के साथ एक थाल में भोजन करने से ब्राह्मण धर्म नष्ट होगा, वह कुटुम्ब की रक्षा चाहती है । वह मिथ्याभाषण को पाप समझती है । संतानें अब्राह्मण हो जायेंगे, लड़कियों से कोई विवाह नहीं करेंगे । अहिल्या स्वार्थी भी है । अपने परिवार और धर्म की रक्षा उसे जरूरी लगा । अहिल्या की संभाजी के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है । वह चाहती है कि उसका पति सत्य बोले और राज्य में प्राप्त अपनी मर्यादा और ब्राह्मण धर्म को न त्यागे । मनुष्यत्व की उसे चिंता नहीं ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
42.	स्वाधीनता आंदोलन में मन्नु भण्डारी जी की भूमिका स्पष्ट कीजिए । **अथवा** मन्नु भण्डारी जी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल जी की भूमिका स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** सन् 1946-1947 के स्वाधीनता आंदोलन में लेखिका मन्नु भण्डारी भी पीछे नहीं रहीं । उन्होंने छोटे शहर की युवा लड़की होते हुए भी आज़ादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । स्वाधीनता आंदोलन के अंतर्गत जब देश भर में हड़ताल-नारेबाजी, भाषण, जलसे हो रहे थे, तब लेखिका ने अपने कॉलेज में नारों, हड़तालों और भाषणों का सिलसिला आरम्भ कर दिया । उनका उत्साह, संगठन क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता था । कॉलेज में इतना प्रभाव था कि उनके संकेत मात्र से ही लड़कियाँ कक्षाएँ छोड़कर मैदान में एकत्र हो जातीं और नारे लगाने लगती थीं । यहाँ तक कि वे शहर के चौराहों पर भी भाषण देने, हड़ताल करवाने आदि के माध्यम से विरोध-प्रदर्शन करने में बिल्कुल भी नहीं झिझकती थीं । इस तरह मन्नु भण्डारी जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी भागीदारी निभाई । **अथवा**	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	हिन्दी की प्राध्यापिका शीलाजी से परिचय हुआ, तो उन्होंने वाकायदा साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया । उन्होंने खुद, मात्र किताबें पढ़ने को चुनाव करके पढ़ने में बदला । उन्होंने खुद किताबें चुन-चुनकर दीं, पढ़ी हुई किताबों पर बहसें कीं । अन्य लेखकों, कवियों और साहित्यकारों की किताबें समझ के साथ पढ़ने लगीं । इस तरह साहित्य की दुनिया की समझ फिर सीमित दायरे से फैलती ही चली गई । इसी संदर्भ में जैनेन्द्र का 'त्यागपत्र', भगवती बाबू का 'चित्रलेखा' पढ़ शीलाजी के साथ लंबी-लंबी बहसें हुईं । इस तरह मन्नु भण्डारी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल जी की भूमिका सराहनीय है ।	
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	**2 × 2 = 4**
43.	पृथ्वी पर स्वर्ग-सा उतरनेवाला, कर्नाटक राज्य का बेलूर मंदिर आकार-प्रकार की दृष्टि से, दक्षिण के विशाल मंदिरों की तुलना में छोटा है, किन्तु अपने कलावैभव के कारण विश्वविख्यात है । बेलूर मंदिर का निर्माण दो किश्तों में हुआ था और उनके बीच 60-70 वर्षों का अंतराल था । दोनों किश्तों के साथ दो महान महाशिल्पियों की पावन कथा जुड़ी है । प्रथम के साथ शिल्पशिरोमणि दासोजा की और दूसरे के साथ शिल्पाचार्य जक्कणाचारी की । नाटकीय उत्थान-पतन की दृष्टि से बेलूर का कथानक बड़ा रोचक है । a) बेलूर की कला किन कारणों से विश्वविख्यात है ? b) बेलूर मंदिर के निर्माण का वर्णन कीजिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : a) पृथ्वी पर स्वर्ग-सा उतरनेवाला, कर्नाटक राज्य का बेलूर मंदिर आकार-प्रकार की दृष्टि से, दक्षिण के विशाल मंदिरों की तुलना में छोटा है, किन्तु अपने कलावैभव के कारण विश्वविख्यात है । b) बेलूर मंदिर का निर्माण दो किश्तों में हुआ था और उनके बीच 60-70 वर्षों का अंतराल था । दोनों किश्तों के साथ दो महान महाशिल्पियों की पावन कथा जुड़ी है । प्रथम के साथ शिल्पशिरोमणि दासोजा की और दूसरे के साथ शिल्पाचार्य जक्कणाचारी की । नाटकीय उत्थान-पतन की दृष्टि से बेलूर का कथानक बड़ा रोचक है ।	2 2
XIV.	**पत्र लेखन ।**	**1 × 5 = 5**
44.	अस्वस्थता का कारण बताते हुए, तीन दिनों की छुट्टी की विनती करते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए । **अथवा** चन्द्रयान-3 की सफलता के बारे में बताते हुए अपने दोस्त के नाम पत्र लिखिए । **उत्तर :** व्यावहारिक पत्र : i) स्थान एवं दिनांक : $\frac{1}{2}$ ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$ iii) सम्बोधन - विषय : 1 iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$ v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$ **अथवा**	5

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
	पारिवारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन–अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
XV.	**निबंध लेखन ।**		**1 × 5 = 5**
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :		
	i) हमारे राष्ट्रीय पर्व ।		
	ii) दूरदर्शन ।		
	उत्तर :		
	(i) भूमिका	1	
	(ii) विषय विश्लेषण	2	
	(iii) उपसंहार	1	
	(iv) भाषा और शैली ।	1	